पाठ 6
एक मिनिट

एक मिनिट ..... अभी आया माँ.....बस, एक मिनिट, माँ की आवाज़ सुनकर हरीश ने जवाब दिया। माँ उसे भोजन के लिए बुला रही थी। दोनों बहनें चतुरा और मधुरा उसका इन्तजार कर रही थीं। उनकी इच्छा रहती कि सब मिल बैठकर एक साथ भोजन किया करें। माँ के बुलाने के बाद चतुरा आवाज़ देती, 'भैया, आ जाओ। टी. वी. बाद में देख लेना। पेट में चूहे कूद रहे हैं। आ जाओ।'

हरीश उसकी ओर देखता, मुस्कराता और फिर कहता, 'एक मिनिट.....बस, एक मिनिट....।' फिर टी.वी. देखने में लग जाता चतुरा को अच्छा तो नहीं लगता। वह उसे चिढ़ाती है, 'एक मिनिट .....बस एक मिनिट।' और मुँह बनाकर मधुरा की ओर देखती है। मधुरा नाक सिकोड़ती है, 'एक मिनिट में क्या से

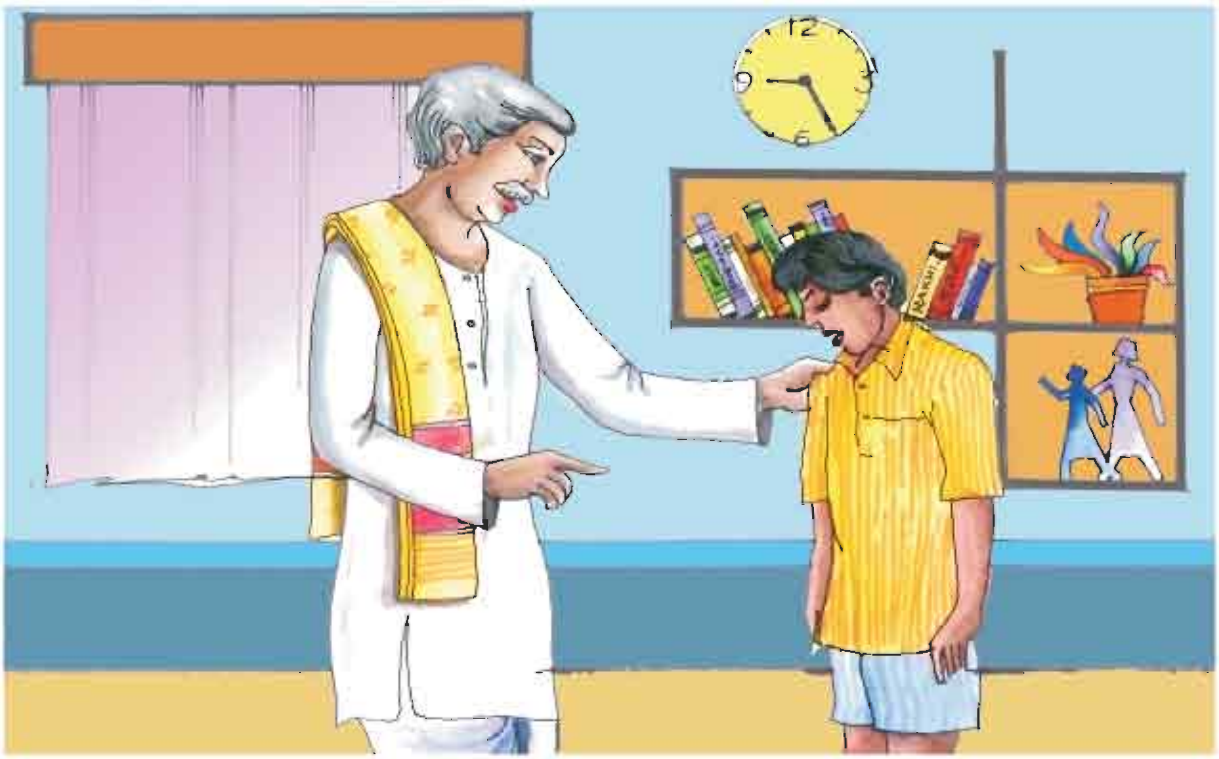

शिक्षण संकेत

- शिक्षक समय के महत्व पर चर्चा करें। बच्चो को पढ़ने हेतु प्रेरित करें।

क्या हो सकता है, इसका भैया को ज्ञान नहीं। लाड़ला है न! अब हम इन्तजार नहीं कर सकते। चलो, शुरु हो जाओ।'

हरीश जब तक चौके में पहुँचता, तब तक सब खा-पीकर उठ जाते। उसे अकेले ही भोजन करना पड़ता। उसे अकेले-अकेले भोजन करना अच्छा न लगता। एक मिनिट, एक मिनिट कहते-कहते वह इतनी देर कर देता कि बहुत देर हो जाती थी।

उस दिन सबको सर्कस देखने जाना था। चतुरा, मधुरा, माँ सब तैयार थे। पिताजी बार-बार घड़ी की ओर देख रहे थे। झल्लाते हुए बोले, 'यह एक मिनिट कर क्या रहा है? इसका एक मिनिट कब पूरा होगा? चलना हो तो चलो। उसे जब आना होगा, आ जाएगा।'

चतुरा, मधुरा और माँ ने एक-एक कर आवाज लगाई लेकिन हर बार 'एक मिनिट' बस तैयार हो गया। यही आवाज कमरे से आती। पिताजी ने घड़ी देखी तो सर्कस शुरू होने के समय से पन्द्रह मिनिट अधिक हो गये थे, आज तो अब सर्कस जाना नहीं हो सकेगा। वैसे भी जाते-जाते आधा-घण्टा हो जाएगा। सारा मज़ा किरकिरा हो जाएगा। चलो, अब फिर कभी चलेंगे।

हरीश निकला तो उसने कहा, 'सर्कस वालों को भी तैयार होने में समय लगता है। सही-सही, देखने लायक आइटम तो आधा-एक घण्टे बाद ही शुरू होते हैं। चलिए, अब चलते हैं। समय से पहले पहुँचने में लाभ ही क्या?'

पिताजी को हँसी आ गई, 'रोज सुनता हूँ। ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाते हो-

'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब ॥

पल में परलै होएगी, बहुरि करेगा कब॥'

एक मिनिट में तो ट्रेन छूट जाती है, दुनिया उलट-पुलट हो जाती है।

चतुरा ने हरीश की तरफ आँखे तरेरीं और पिताजी से कहा, 'पिताजी! आपको अच्छी तरह याद नहीं है, यह कबीर का नहीं, किसी और का दोहा चटखारे ले-लेकर गाता है,' आज करे सो काल कर, काल करे सो परसों। जल्दी-जल्दी क्यों करता है, अभी तो जीना बरसों।

इसीलिए तो पिछले साल 'एक मिनिट, एक मिनिट' करते-करते बीस मिनिट बाद स्कूल पहुँचा तो प्रिन्सिपल साहब ने परीक्षा-हाल में बैठने नहीं दिया। एक साल से वही क्लास पक्की कर रहा है, मधुरा ने

कहा तो हरीश रुआँसा हो गया 'बार-बार उसी बात को क्यों दुहराती हो।'

अब आँसू बहाने से कोई फायदा नहीं। कुछ बनना है, कुछ करना है तो समय का ध्यान रखना सीखो! समझने की कोशिश करो-समय ही जीवन है और श्रम ही वैभव है। सोचो जरा.....आदि शंकराचार्य मात्र बत्तीस वर्ष जीवित रहे, विवेकानन्द ने उनतालीस वर्ष की छोटी सी उम्र पाई और स्वामी रामतीर्थ तैंतीस वर्ष की आयु में ही चल बसे। इतनी छोटी सी उम्र में इन्होंने इतना कर लिया कि महान हो गए। यह सब कैसे किया होगा इन महान-आत्माओं ने ? पिता का प्रश्न सीधे-सीधे हरीश से था। हरीश ने सिर नीचे किए हुए कहा, 'एक-एक मिनिट का उपयोग किया उन्होंने। एक मिनिट भी बेकार नहीं जाने दिया।'

लम्बी आयु जीने से कुछ नहीं होता। यह टी.वी. ये इन्द्रजाल, ये कॉमिक्स बाद में देखे जा सकते हैं। जरूरी काम-आज और अभी करो। बुद्धिमान बनो। कल का सोच त्यागो। चाहे वह बीता हुआ कल हो या आने वाला कल। अभी जो कर लिया वही हाथ आएगा, वही राह बनाएगा और उसी से भविष्य उज्ज्वल होगा।

▶ **कमला प्रसाद चौरसिया**

नए शब्द

चौका = भोजन बनाने का स्थान। **रुआँसा**= रोने जैसा। **वैभव** = धन-संपत्ति। **इंन्द्रजाल** =जादूगरी **कॉमिम्स** = चित्रकथा। **त्याग** = छोड़ना। **भविष्य** = आने वाला समय।

अनुभव विस्तार

1. आलेख से खोजकर लिखिए-

(क) सही जोड़ियाँ बनाइए-

चौका	–	मनोरंजन
घड़ी	–	कक्षा
सर्कस	–	भोजन
स्कूल	–	समय

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. चतुरा ने हरीश की तरफ .....तरेरीं।
2. .....करै सो आज कर।
3. श्रम ही .....है।
4. सारा .....किरकिरा हो गया।
5. अभी जो कर लिया वही.....आएगा।

2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-

1. हरीश हमेशा कौनसी बात कहता था?
2. परिवार के लोग क्या देखने जा रहे थे?
3. हरीश को अकेले भोजन क्यों करना पड़ता था?
4. पाठ में आए महापुरुषों के नाम लिखिए।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में दीजिए-

1. आज का काम कल पर टालने से क्या हानि होती है?
2. काल करै सो आज कर, आज करै सो अब।
   पल में परलै होएगी, बहुरि करैगा कब॥
   इस दोहे का अर्थ लिखिए-
3. हरीश परीक्षा में क्यों नहीं बैठ पाया?
4. समय का पालन करना क्यों आवश्यक है?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए-

इन्तजार, सिकोड़ती, किरकिरा,

प्रिन्सिपल, रामतीर्थ, शंकराचार्य,

2. निम्नलिखित शब्दों में से संज्ञा तथा सर्वनाम शब्द छाँटकर अलग-अलग तालिका में लिखिए-

हरीश, घड़ी, परीक्षा-हॉल, चतुरा, आपको, ये, चौथा, सर्कस, वह

संज्ञा शब्द	सर्वनाम शब्द
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

1. चतुरा बोली बाद में देख लेना। पेट में चूहे कूद रहे हैं। आ जाओ।
2. मथुरा नाक सिकोड़ती है।
3. सर्कस देखने का सारा मज़ा किरकिरा हो जाएगा।

उपयुक्त रेखांकित वाक्यों में प्रयुक्त शब्द समूहों का सामान्य अर्थ न लेकर एक विशेष अथवा लाक्षणिक अर्थ लिया गया है। जैसे-पहले वाक्य में "पेट में चूहे कूद रहे है" का अर्थ है 'बहुत भूख लगना।' दूसरे वाक्य में 'नाक सिकोड़ना' से आशय 'चिढ़ (घृणा)' प्रकट करना है। इसी प्रकार 'मज़ा किरकिरा' का विशेष अर्थ -' कार्य में आनंद न मिलना है।'

जब कोई वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर उससे अलग विशेष अर्थ को प्रकट करता है, तब वह मुहावरा कहलाता है।

प्रश्न 1 निम्नलिखित शारीरिक अंगों से बनने वाले दो-दो मुहावरे लिखिए-

कान - ....

मुँह - ....

आँख – ....

दाँत – ....

भारत देश में समय-समय पर धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहते हैं। सभी का यह नैतिक दायित्व है कि वह अपना कार्य कुशलता और ईमानदारी से करके मानवता का परिचय दें न कि लड़कपन और नादानी में अपना जीवन व्यर्थ गुजार दें।

उपर्युक्त रेखांकित शब्दों में मूल शब्द के अंत में 'इक' 'ता' 'ई' 'पन' शब्दांश जोड़कर नये शब्द बनाए गए हैं।

	मूल शब्द + शब्दांश		बना हुआ शब्द
जैसे-	धर्म+इक		धार्मिक
	नीति+इक		नैतिक
	कुशल+ता		कुशलता
	ईमानदार+ई		ईमानदारी
	मानव+ता	=	मानवता
	लड़का+पन	=	लड़कपन
	नादान+ई	=	नादानी

जो शब्दांश मूल शब्द के अंत में जुड़कर नए शब्द बनाते हैं वे 'प्रत्यय' कहे जाते हैं।

प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग-अलग कीजिए-

बचपन, मासिक , देहाती, चंचलता, देवता, अपनापन

अब करने की बारी

1. आप अपने ऐसे कामों की सूची बनाइए जिन्हें आप प्राथमिकता देते हैं।
2. कक्षा में किसी ऐसी घटना की चर्चा कीजिए, जिसमें आज का काम कल पर टालने से आपको नुकसान उठाना पड़ा हो।
3. इस पाठ को पढ़कर आपने क्या सीखा? अपने शब्दों में लिखिए।
4. आप अपनी पढ़ाई के लिए एक समय चक्र बनाइए, जिसमें सुबह उठने से लेकर रात में सोने तक समय का विभाजन किया गया हो।